विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 19 से 25 जून 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 04 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में किसी को गलती से भी नहीं रूलाना, कर्म की गति न्यारी होती है. अगर तुमने किसी को रूलाया है तो यह तैयारी करके रखना कि तुम्हे भी कोई न कोई रूलाएगा. किसी के दर्द का दिल से एहसास करने वाले को प्रभु दर्द आने ही नहीं देते हैं. खुश रहो और खुशियां बांटों.

समाजसेवी,यारों के यार,श्रद्धा मेडिकल के संचालक मनोज डफळे जन्मदिन 26 जून पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

महाराष्ट्र में हिंदी पढ़ाना अनिवार्य नहीं

महाराष्ट्र सरकार ने जारी किया नया आदेश, तीसरी भाषा के रूप में जरूरी नहीं

विदर्भ स्वाभिमान,18 जून अमरावती/मुंबई- महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी स्कूलों में कक्षा 1-5 तक हिन्दी भाषा पर नया नियम लागू होने वाला है. तीसरी भाषा के रूप में अब हिन्दी पढ़ाना अनिवार्य नहीं है, हालांकि इसके लिए स्कूलों के सामने एक शर्त रखी गई है. इसे लेकर महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में नया आदेश जारी किया है. हालांकि मराठी भाषा का पक्ष लेने वाले कई लोगों ने इसे लेकर सरकार को घेरना शुरू कर दिया है.

मराठी भाषा के वकालत करने वाले लोगों का आरोप है कि स्कूलों में हिन्दी भाषा पढ़ाने का फैसला

वापस लेने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने 'बैकडोर' की मदद से फिर इसे लागू कर दिया है.महाराष्ट्र स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को ऑर्डर जारी करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 पर आधारित 'स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन 2024' का कुछ हिस्सा लागू कर दिया है. इस आदेश के अनुसार, सरकारी स्कूलों में कक्षा 1-5 तक मराठी और अंग्रेजी के अलावा हिन्दी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा.

हिन्दी न पढ़ाने का विकल्प भी मौजूद

महाराष्ट्र सरकार ने अपने आदेश में हिन्दी के अलावा कोई दूसरी भाषा सीखने का रास्ता भी खोल रखा है. हालांकि इसके लिए स्कूलों को हर कक्षा से 20 छात्रों की अनुमति लेना अनिवार्य होगा. अगर स्कूल ऐसा करने में कामयाब होते हैं, तभी उस भाषा को पढ़ाने के लिए शिक्षक मुहैया करवाया जाएगा या फिर वो भाषा ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई जाएगी.अगर कोई स्कूल हिन्दी की जगह तीसरी भाषा के रूप में कोई और भाषा पढ़ाना चाहता है, तो उसके लिए हर कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की मंजूरी अनिवार्य होगी. तभी उस भाषा में शिक्षक नियुक्त किया जाएगा या फिर वो भाषा ऑनलाइन पढ़ाई जाएगी.इस माध्यम से सरकार ने विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है.

महाराष्ट्र सरकार ने अपने आदेश में साफ कर दिया है कि राज्य के स्कूलों में 3 भाषा फॉर्मूला अनिवार्य होगा. इसमें पहले की तरह मराठी और अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई जारी रहेगी. इसके अलावा स्कूलों को तीसरी भाषा का भी चयन करना होगा.

ठाकरे बंधुओं को चुनाव के पूर्व लगा बड़ा झटका,तीन नेता भाजपा में

मुंबई. शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मंगलवार को तब बड़ा झटका लगा, जब दोनों पार्टियों के तीन बड़े नेता सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए.कुछ माह बाद होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को यह बड़ा झटका माना जा रहा है.नासिक मनसे का भी मजबूत गढ़ माना जाता रहा है.

बड़गूजर ने भाजपा का दामन थाम लिया-साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव में नासिक से शिवसेना (यूबीटी) का ही प्रत्याशी जीतकर संसद में पहुंचा है. लेकिन मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) के दो बड़े नेता बबनराव घोलप एवं सुधाकर बड़गूजर ने मुंबई स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा का दामन थाम लिया.इसके अलावा नासिक के महापौर रहे मनसे नेता अशोक मुर्तडक भी भाजपा में शामिल हो गए हैं. इन तीनों नेताओं के भाजपा

में शामिल होने के बाद भाजपा नेता एवं मंत्री गिरीश महाजन ने नासिक महानगरपालिका में 'अबकी बार सौ पार' का नारा दे दिया है.2017 के महानगरपालिका चुनाव में भी भाजपा 122 सदस्यों वाली नासिक मनपा में अकेले 66 सीटें जीतकर सबसे ऊपर रही थी.अब स्थानीय निकाय चुनाव से ठीक पहले शिवसेना (यूबीटी) एवं मनसे के तीन बड़े नेताओं के भाजपा में आ जाने से भाजपा की ताकत और बढ़ गई है. गौरतलब है कि बबनराव घोलप पूर्व मंत्री हैं और सुधाकर बड़गूजर को शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत के करीबी हैं.

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 22वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बच्चू कडू का आंदोलन और उसका परिणाम

किसान,खेतिहर मजदूर तथा दिव्यांगों की विभिन्न समस्याओं को लेकर पिछले पांच दिनों से बच्चू कडू का अन्य त्याग आंदोलन खत्म होने के बाद क्या पाया, क्या खोया की चर्चा शुरू हो गई है. सिस्टिम वही है, बदले चेहरे हैं. किसान कल भी त्रस्त थे, आत्महत्या कर रहे थे, आज भी वही कर रहे हैं. इस मामले में राज्य सरकार की उदासीनता की जितनी निंदा की जाए वह कम है. अपने नेता के जान पर बन आने के बाद प्रहारी कार्यकर्ता कहीं चक्का जाम आंदोलन तो कहीं जल समाधि आंदोलन कर रहे थे. आश्वासन देकर सरकारद्वारा आंदोलन खत्म करवाया गया है. लेकिन सवाल यह है कि क्या बच्चू कडू की सत्रह मांगों को सरकार मानेगी. किसानों, खेतिहर मजदूरों तथा दिव्यांगों की कुल 17 जनहितकारी मांगों को लेकर 5 दिनों से अन्न त्याग आंदोलन करने वाले पूर्व मंत्री बच्चू कडू का स्वास्थ्य भी आंदोलन के कारण बिगड़ा. मराठी में कहावत है कि सत्तेपुढ़े शहाणपण चालत नाही, इसका ही अनुभव आ रहा है. अनशन खत्म करने के बाद बच्चू कडू को जिला मध्यवर्ती बैंक के अध्यक्ष पद के अयोग्य घोषित किया गया है. आगामी दिनों में जहां बिगड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर स्वयं को जनहितकारी सरकार बताने वाली सरकार से जितनी अपेक्षा किसानों के संवेदनशील मुद्दे पर लोगों को थी, वह नहीं दखाई दे रही है. आंदोलन में अपने नेता की बिगड़ती तबियत को लेकर कार्यकर्ता जहां आक्रामक हुए, वहीं दूसरी ओर कईयों का यह सवाल भी था कि जब भी लोग सत्ता में रहते हैं, उन्हें याद नहीं आती है और सत्ता हाथ से जाने के बाद उन्हें किसानों, दिव्यांगोंसे प्रेम कही केवल राजनीतिक नौटंकी तो नहीं होती है.

गुरुवार को तिवसा के गुरुकुंज मोझरी में जारी बच्चू कडू के अन्न त्याग आंदोलन स्थल पर शेतकरी स्वाभिमानी पक्ष के नेता राजू शेट्टी, पूर्व सांसद छत्रपति संभाजी राजे, सांसद अमर काले, विधायक रोहित पवार, दीपक केदार, पूर्व पालकमंत्री सुनील देशमुख, नितेश कराले समेत कई लोगों ने पहुंचकर जहां उन्हें समर्थन दिया, वहीं दूसरी ओर सरकार की अच्छी-खासी खबर ली. राजू शेट्टी ने राज्य सरकार की जमकर खबर ली. बच्चू कडू के अन्न त्याग आंदोलन का आज पांचवां दिन है, लेकिन सरकार अभी भी रहम करने को तैयार नहीं है. जब देश ब्रिटिश शासन और गुलामी में था, तब महात्मा गांधी ने भी कई बार भूख हड़ताल की थी. बच्चू कडू के आंदोलन खत्म होने के बाद सरकार को निश्चित तौर पर किसानों के मामले में समुचित कदम उठाने का प्रयास करना चाहिए. किसानों की स्थिति स्थायी तौर पर सुधारने के लिए ठोस उपाय की जानी चाहिए. बच्चू कडू द्वारा आंदोलन में जिन विषयों को गंभीरता से उठाया गया, उन विषयों को सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए.

अमरावती जिले का कौन है माई-बाप

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

कोई संभागीय मुख्यालय शहर कभी कितना बद्हाल हो सकता है, जहां न ढंग की यातायात व्यवस्था, न अतिक्रमणारियों के ऊपर किसी का अंकुश, न वाहन चालकों पर ही किसी का डर, जिसकी जहां मर्जी हो वाहन खड़ा कर सकता है, बीच चौराहे भी अतिक्रमणकारी की गाड़ी लग सकती है और मनपा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जाती है. अतिक्रमणकारी जब छाती ठों क कर यह बताते हैं कि अतिक्रमण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उनसे हप्ता लेते हैं तो वह किस मुंह से कार्रवाई करते हैं तो निश्चित ही प्रबुद्ध नागरिकों को दुःख होता है. नागपुर में आज यातायात नियमों का भंग करने की हिम्मत कोई नहीं करता है. लेकिन अमरावती के हार्ट स्थल राजकमल चौक पर सुबह सिग्नल शुरू होने से लेकर रात में बंद होने से सैकड़ों खुलेआम और यातायात पुलिस की नजरों के सामने यातायात नियमों को धता बताते हुए चल देते हैं लेकिन प्रशासन पर किसी का भी दवाब नहीं है. ऐसे में कोई बड़ा हादसा होता है तो दो-चार दिन जांच की औपचारिकता के बाद सब कुछ सेम हो जाता है.संभागीय मुख्यालय के साथ ही महानगर पालिका मुख्यालय के सामने अगर यह स्थिति है तो बाकी शहर की क्या स्थिति होगी, इसका सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है. वाहन पार्किंग के साथ ही जहां कुछ गाड़ियों की पार्किंग अनुमति है, वहां बड़ी संख्या में पार्किंग की जाती है, इसके लिए जितने नियम का भंग करने वाले दोषी हैं, उससे कई गुना अधिक जिन पर यह जिम्मेदारी है, वे दोषी हैं. अंबानगरी में नयिमों का भंग करने की गुस्ताखी तेजी से बढ़ रही है. यह किसी दिन अत्याधिक भारी न पड़े, इस बारे में सोचने का समय आ गया है. क्या हो गया है इस शहर को.गांधी चौक के साथ ही अंबादेवी रोड मार्ग से रविनगर और वहां से साईंनगर तक जाने वाले रास्ते पर होता है. गांधी चौक ही क्या शहर के कई प्रमुख स्थानों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है. प्रशासन की उदासीनता किसी दिन सैकड़ों लोगों की जान का दुश्मन बनने का खतरा पैदा कर सकता है. कोई हादसा होने पर पुलिस मनपा और मनपा पुलिस को जिम्मेदार ठहराती है. अतिक्रमण विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर अक्सर सवाल उठते हैं. इस विभाग की लापरवाही किसी दिन शहर को बड़े संकट में डालने से इंकार नहीं किया जा सकता है.पुलिस,मनपा के साथ ही अन्न व औषधि विभाग में समन्वय के अभाव के कई व्यस्ततम और सार्वजनिक स्थलों पर सिलेंडर रहने के साथ ही यहां दर्जनों गाड़ियों की भीड़ से किसी दिन अघटित होने से इंकार नहीं किया जा सकता है.सभी एक-दूसरे पर उंगली दिखाने का काम कर रहे हैं.150 घुमंतुओं ने मनपा और पुलिस की नाक में दम किया है.विधायक के निर्देश पर भी ढाक के तीन पात वाली स्थिति है.

शेष अगले अंक में पढ़े

व्यक्तित्व गुणगौरव से सम्मानित प्रमोदभाऊ

विदर्भ स्वाभिमान

शहर में अपने बहुगुणी व्यक्तित्व प्रमोदभाऊ बगत्रे को सर्वप्रथम जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें और सेवा का कार्य आपके हाथों सदैव होता रहे, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, आत्मरक्षा तथा अमरावती शौर्य परिवार यही कामना करता है.विभिन्न क्षेत्रों में कामयाबी के साथ वे उम्दा व्यक्तित्व हैं, जो किसी की भी मदद के लिए सदैव तैयार रहते हैं.

अमरावती शहर में राजकीय, सामाजिक, धार्मिक जैसे कार्यों के माध्यम से अपना स्थान बनानेवाले प्रमोद बगत्रे (जैन) हरदिल अजीज तथा प्रभावी व्यक्तित्व के धनी, समाजसेवी है. अनगणित संगठनों में सदा सक्रीय रहनेवाले भाई मुनिभक्त है. आज 17 जून को उनके जन्मदिन निमित्त अनेक दिगम्बर जैन संस्था की ओर से श्री पुलक चेतना मंच, श्री भगवान महावीर बहुउद्देशीय समिती, श्री दिगम्बर जैन महासमिती, परिवार की ओर से शुभकामनाएँ

अमरावती रोटरॅक्ट क्लब, रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाऊन में अनेक वर्षों तक वे सहभागी थे. श्री दिगम्बर जैन महासमिती के महाराष्ट्र प्रांत के उपाध्यक्ष, पुलक जन चेतना मंच के परम संरक्ष, अमरावती शहर कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी भी है. भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के आयोजक की भूमिका सबको साथ लेकर निभाने की भूमिका हमेशा रखते है. निलकंठ मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में बेहतरीन कार्य करनेवाले कोविड 19 की कठीन परिस्थितीयों में अनाज, किराणा वितरण, परप्रांतिय मजदूरों को मदत करनेवाले प्रभावी व्यक्तिव के धनी है.सामाजिक पशुप्रेम, मानवता के कार्य को अंजाम देते हुये पशुपक्षी के लिये दानपात्र, जलकुंडी का वितरण हर साल ग्रीष्मकाल में अपनी संस्था के माध्यम से सभी मित्र के साथ वितरण करके अंजाम देते हुये उनका सदैव समाज का प्रबोधन करने का प्रयास रहता है. चाहे अमरावती शहर में नृध्दाश्रण, अनाथश्रम में स्नेहभोज, वृक्षारोपण, नेत्रदान शिबिर का आयोजन करने में सहयोग रहता है.

पुलक जनचेतना मंच व दिगम्बर जैन महासमिती के माध्यम से प्राकृतिक आपदा से पीडीत लोगों की महज पर्यावरण संतुलन के लिये वृक्षारोपण रोग निदान शिबिर, इ. आयोजन कर दीपावली मनाते है. श्री पुलक सागरजी महाराज, श्री प्रतीक सागरजी महाराजजी के प्रवचन आयोजन से सहभाग रहा. भातकुली के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन संस्थान मंदिर में वार्षिक रथयात्रा में अमरावती शहर या जिल्हा समस्त दिगम्बर जैन समाज द्वारा चातुर्मास, पुर्युषण पर्व, अनेक पुजा विधान हो सबमें अपने मित्रों के कार्य में उनके साथ मिलकर सहयोग देते है.वह भक्तामर हिलिंग एन्ड रिसर्च फाऊंडेशन में भी सहयोग प्रदान करते है. श्री दिगम्बर जैन महासमिति की ओर से व्यक्तित्व गुणगौरव से सम्मानित भी किया गया है. उन्होंने चाहे राजकीय पार्टी हो, धार्मिक कार्य हो, समाजिक कार्य हो अपने सभी मित्र परिवार को एक निष्ठ उनके साथ रहकर निःस्वार्थ सेवा देकर अपने मित्रों को जोडकर रखने में कामयाबी मिली हो. ऐसे एकनिष्ठ रहकर सेवा देनेवाले हमारे परम मित्र के जन्मदिन पर मैं ईश्वर से उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं दिर्घायु की प्रार्थना करता हूँ. ईश्वर उनकी सभी मनोकामनाएं पुरी करें और वे सदैव जैन मुनियों की सेवा में रहकर अपना जीवन व्यतीत करे.

संदीप फकटे (जैन)अमरावती
9763179925

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

दो बुजुर्गों के मामले की ऑनलाइन सुनवाई

जिलाधिकारी आशीष येरेकर की संवेदनशीलता की सराहना,दोनों को बड़ी राहत मिली

विदर्भ स्वाभिमान, 18 जून

अमरावती- आजकल प्रशासन में संवेदनशीलता खत्म हो रही है, ऐसे में अमरावती के नए जिलाधिकारी आशीष येरेकर की संवेदनशीलता का दूसरी बार जिले की जनता को दर्शन हुआ. पद्भार संभालने के बाद आदिवासियों की समस्या समझने के लिए उन्हों ने सर्वप्रथम आदिवासी बहुल मेलघाट का दौरा कर समस्याएं जानी और मंगलवार को दो बुजुर्गों के बक्षिस पत्र संबंधी मामले की ऑनलाइन सुनवाई करते हुए बुजुर्गों को राहत देकर उन्हें बड़ी राहत दी, इसकी सर्वत्र सराहना की जा रही है.

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सहायता के लिए अधिनियम के तहत दायर अपील की सुनवाई ऑनलाइन आयोजित की गई. इसके कारण वरिष्ठ नागरिक और उनके वकील एक ही स्थान से अपील सुनवाई में शामिल हो सके. इससे वरिष्ठ नागरिकों को अपील सुनवाई के लिए आने की परेशानी से छुटकारा मिला है. इस मामले में जिलाधिकारी आशीष येरेकर द्वारा की गई पहल की सराहना की जा रही है.

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सहायता के लिए अधिनियम की धारा 16 के अनुसार उपविभागीय अधिकारी के आदेशों के खिलाफ जिला कलेक्टर आशीष येरेकर के पास दो अपील दायर की गई थीं. जिला कलेक्टर ने वरिष्ठ नागरिकों और उनके वकीलों की सुविधा के लिए अपील सुनवाई ऑनलाइन आयोजित करने का निर्णय लिया. आवेदकों और उनके वकीलों को इस बारे में सूचित किया गया था. इस बीच आज महसूल भवन में गूगल मीट की मदद से ऑनलाइन सुनवाई की गई. इस अवसर पर निवासी उपजिलाधिकारी अनिल भटकर, तहसीलदार प्रशांत पडघन, वकील और आवेदक ऑनलाइन मौजूद थे. मंगलवार को हुई सुनवाई में दो अपील सुनवाई हरिदास वर्धे बनाम नाना वर्धे और हर्षल यावले बनाम वच्चलाबाई यावले में बक्षिस पत्र जारी करने के विवाद पर सुनवाई की गई. इसमें दोनों पक्षों को ऑनलाइन अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया. दोनों पक्षों के विचार सुनने के बाद,अगले सप्ताह अंतिम सुनवाई करने की सलाह दी गई. वकीलों को भी वास्तव में दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए. आज की सुनवाई में, वरिष्ठ नागरिकों द्वारा बक्षिस पत्र जारी किए गए थे. इसमें उल्लिखित नियमों और शर्तों का पालन नहीं किया गया था, इसलिए अधिनियम के अनुसार इस संबंध में संबंधित उप-विभागीय अधिकारी को एक आवेदन प्रस्तुत किया गया था. उप-विभागीय अधिकारी द्वारा दिए गए निर्णय के खिलाफ जिला कलेक्टर को एक अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया था. चूंकि वरिष्ठ नागरिक अधिक उम्र के हैं, इसलिए जिला कलेक्टर येरेकर ने ऑनलाइन अपील सुनवाई करने का निर्णय लिया. मंगलवार को बिना किसी स्कावट के अपील की सुनवाई हुई. दोनों पक्षों और वकीलों ने ऑनलाइन सुनवाई के लिए जिला कलेक्टर के निर्णय का स्वागत किया.

स्व.प्रकाशचंद पंजापी इनकी याद में

हर पिता जीवन में केवल अपनी औलाद की भलाई चाहता है. यही कारण है कि वह जीते जी बच्चों को अक्सर जो बोलते हैं, उसे बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया है. जो बचपन में सिर्फ 'शब्द' लगे थे, पर आज 'सबक' बन गए हैं.

1. 'पढ़ाई पर ध्यान दो, बाकी सब बाद में!'
2. 'मैं जो कर रहा हूं, सब तुम्हारे लिए कर रहा हूं.'
3. 'खुद के पैरों पर खड़ा होना सीख.'
4. 'मेरे जैसे मत बन, मुझसे अच्छा बन.'
5. 'बड़ा आदमी बन, लेकिन अच्छा इंसान पहले बन.'
6. 'नाम रोशन करना, बस यही सपना है मेरा.'
7. 'तेरी उम्र में मैं जिम्मेदारियां उठाता था.'
8. 'खर्च सोच-समझकर करना, पैसे पेड़ पर नहीं उगते.'
9. 'मां को कभी दुख मत देना, नहीं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा.'
10. 'बचपन जल्दी निकल जाएगा, सम्हल जा.'
11. 'कमाना आसान है, इज्जत कमाना मुश्किल.'
12. 'अपने फैसले खुद ले, लेकिन सोच समझकर.'
13. 'दोस्ती सोच समझकर करना, सब तेरे जैसे नहीं होते.'
14. 'हर वक्त तेरे पीछे नहीं रहूंगा, खुद लड़ना सीख.'
15. 'जो भी कर, मेरा सिर ऊंचा होना चाहिए!'
16. 'मुझे कुछ नहीं चाहिए बेटा, तू खुश रहे बस.'
17. 'जो सीख रहा है, ज़िंदगी में काम आएगा.'
18. 'ज़िंदगी में गिरा भी तो उठना सीख.'
19. 'तेरे लिए ही तो सब कुछ कर रहा हूं बेटा.'
20. जिस दिन खुद खड़ा होंगा,उसी दिन मेरा सपना पूरा होगा.'
21. 'तू बस मेहनत कर, किस्मत मैं संभाल लूंगा.'
22. 'कभी भी झूठ मत बोलना, चाहे हालात कैसे भी हों.'
23. 'तू मेरा बेटा है, खुद पर भरोसा रख.'
24. 'बेटा कितना भी बड़ा हो जाए, बाप हमेशा बाप ही रहेगा.'
25. 'जब मैं नहीं रहूंगा, तब समझेगा कि मैं क्या था.'

आज जब ये शब्द याद आते हैं, तो लगता है
तब समझ नहीं आता था, पर आज ये हर वाक्य ज़िंदगी की नींव जैसा लगता है.

आपकी याद मे आपका बेटा
मुकेश, अभिषेक

सम्पत्ति हस्तांतरण मामले में गया सरपंच मस्के का पद

चांदूर बाजार-तहसील के नानोरी ग्राम पंचायत की सरपंच पल्लवी मस्के को अवैध संपत्ति हस्तांतरण मामले में विभागीय आयुक्त ने दोषी पाकर उनका सरपंच और सदस्य पद खारिज कर दिया है. यह आदेश 6 जून 2025 को मुंबई ग्राम पंचायत अधिनियम, 1958 की धारा 39(1) के तहत जारी किया गया.नानोरी निवासी सोनू उर्फ नीलेश विलासराव राउत द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार उनके दादा गणेशराव राउत के नाम की संपत्ति को सोनू के चाचा ने अवैध रूप से अपने नाम पर स्थानांतरित कर लिया था. इस संबंध में सोनू ने समूह विकास अधिकारी, चांदुरबाजार और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, अमरावती के पास शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में सरपंच, उपसरपंच और सभी सदस्यों को अयोग्य घोषित करने और उक्त संपत्ति को वापस लेने और जांच की मांग की गई थी. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद अमरावती ने मामले की जांच के आदेश दिए थे. सरपंच पल्लवी मस्के ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी के आदेश के अनुसार उक्त उलटफेर को रद्द नहीं किया, इसलिए एक जांच का आदेश जारी किया गया था. जांच में उक्त उलटफेर को अवैध पाया गया और यह पाया गया कि सरपंच इसके लिए सबसे पहले जिम्मेदार थी. परिणामस्वरूप, पल्लवी मस्के को ग्राम पंचायत अधिनियम, 1958 की धारा 39 (1) के तहत सरपंच और सदस्य के पद से अयोग्य घोषित किया गया. मामले को लेकर गांव की राजनीति गर्मा गई है.

RNI NO. MAHMIN / 2010 /43881
विदर्भ स्वाभिमान
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ
वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट
फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग
नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

ज़ब चक्रराज ने दुष्टों का अंत करना शुरू किया

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-22, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी-आश्वांत-हे पंकज लोचन दानव भयंकर सुगुणाभिराम यव्याधामा शंकर मित्र शुभाकर वेंकटगिरि रमण मौनि विनुत वितरण कलश जलाधिवाला कांत श्रृंगार लीला सललित गणजाला साम सनलोल खलदनुज विफाल कालकर्मादि मूला विलासित गुणशीला हे वेंकचाद्रि पालक-इसमें तरिगोंड लक्ष्मी नरसिंहा के करूणा -कटाक्ष से बना विचित्र काव्य वशिष्ठ गोत्र कृष्णयामात्य की पुत्री वें गमांबा प्रणीत श्री वें कटाचल माहात्म्य नामक वराहपुराण का अंश वेंकटगिरि पूर का वर्णन है. नैमिशारण्य का वर्णन शौनकादि महामुनियों के प्रश्न ब्रह्न का दिन और प्रलय प्रकार हरि के श्वेत वराह के रूप में अवतरित होकर हिरण्याक्ष का संहार करके पाताल में डूबे धरती कोयथा स्थान पर लाकर खड़ा करना श्वेतवराह स्वामी का श्रीदेवी और भूदेवी समेत वेंकटाचल पर बसना गरूड के व्दारा वैकुंठ क्रीड़ाचल को लाकर धरती पर स्थापित करना वराह स्वामी का उस पर्वत पर चढ़ कर बसना ब्रह्य इंद्रदि देवतागण वहाँ पहुँचकर स्वामी की स्तुति

करके विनतियाँ सुनाना वराह स्वामी शेषाद्रि पर विहार करना पुष्करिणी का माहात्म्य वेंकटाद्रि को एक-एक निमित से अलग -अलग-अलग नाम प्राप्त होना, वराह स्वामी क्रीड़ाचल के उत्तर भाग में बसना वहाँ से यज्ञ करनेवाले मुनियों को देखना स्वयं और लक्ष्मी के वेश बदल कर यज्ञशाला में प्रवेश करना हरि के व्दारा वप का ग्रहण करना देशांतर यात्रा करनेवाले वृध्द ब्राह्मण से हरि के व्दारा कुमार धारा में स्नान करवाकर उसे बाल कुमार बनाकर भेजना शंखण महाराज को पुष्करिणी में हरि के दर्शन देकर उसे राज्याभिषिक्त करवाना,आत्माराम नामक भक्त को हरि प्रत्यक्ष होकर उसके दारिद्रय को मिटा कर संपदाएँ प्रदान करना कपिल लिंग, कपिलतीर्थोंभ्दव उस कपिल तीर्थ के ऊपर सप्तादश तीर्थों का प्रभाव तीर्थ यात्रा पर निकले ब्राह्मण को सपने में दिखाई देकर पुष्कराद्रि में अनेक तीर्थों के दर्शन करवाना युधिष्टिरादि एक वर्ष के लिए वेंकटाद्रि के पुण्यतीर्थों के लिए वेंकटाद्रि के पुण्य तीर्थों के आश्रय में रहना युगभेद से वेंकटाद्रि के प्रकाशित विविध चिह्न रावण संहार करने जानेवाले श्रीराम के व्दारा एक दिन वेंकटाद्रि के पर निवास करना वेकुंठ गुफा में कपिवीरों को परस पुरूष के दर्शन होना आदि अनेक कथा-प्रसंगों का यह प्रथम आश्वास है.

तरिगोंड नृहरि (संबोधन)-हे श्रीकर! निर्जर मोनिशीकर ! सभ्दक्त बृंद चित्त विहारा! राकेंदु वदना! शुभकर! प्राकट तरिगोंड नृहरि ! पाप विदारी! सूत को देखकर शौनकादि मुनियों ने कहा.हे सूत हमने ब्रह्मोत्सव क्रम को आश्चर्य के साथ सुना है. तब विष्णु के चक्र ने बहु चोर समूहों का संहार किया ऐसा आपने बताया. उनका संहार उन्होंने कैसे किया, उसके बारे में जानने की इच्छा है. आप कृपया उसके बारे में बताइए. तब सूत ने संशय हाष्टि से देखकर हे मुनिगण सुनिए. उस महान चक्र के बारे में बताने के लिए मैं कितना महान हूँ फिर भी भी थोड़ा बहुत बताऊँगा. कहते फिर कहना शुरू किया. चक्र ने माधव की आज्ञा का पालन करते हुए संतोष के साथ निकलकर महान राजा के रूप में अपना वेश बदल लिया.

चक्रराज की दिग्विजय यात्रा-चक्रराज अपने बल पर सहस्त्र बाहु के रूप में बना. मुकुट आदि रत्नभूषण रक्त वर्ण वस्त्र धारम करके कालाग्नि समान, दुष्टों का संहार करनेवाले कराल चक्र के रूप में चमकते विपुल रथ पर आरूढ़ होकर विविद आयुधों के साथ निकला.गंधर्वगणों को इकट्ठा करके मुदर आदि आयुधों को धारण करके साथ चलने पर चोर समूहों को मारने निकला. गुमुड नामक ज्वालामुखी सकल सेना का नेतृत्व करते बलवान अश्वों समेत घन रणभरी बजाते कोलाहल आकाश को छूते संग्राम के लिए निकला.

पूरब की दिशा-इस प्रकार अनेक वैभवों के साथ और सेना के साथ चक्रराज ने शेषाचल से आरंभ करके पूरब में सागर तक वन-पर्वतादि को आक्रमण करके सकल साधु जनों को बाधा पहुँचानेवाले चोर समूहों को ढूँढ़-ढूँढ़ निकाल कर उन्हें परिवारसमेत संहार करके साधु जनों को उनकी बाधाओं से मुक्त किया. तब साधु जनों ने चक्रराज के आगे आकर इस रूप में विनती की. हे महाराज इस भूमि के लिए कोई राजा नहीं है. इसलिए चोरों ने साधु मानवों को अनेक प्रकार के कष्ट दिए. आपने उनका संहार करके हमारी रक्षा की है. **शेष आगे के अंक में**

शानदार अभिनंदन हाईट खींच रही है सभी का ध्यान, शानदार निर्माण और व्यवस्था है काबिले-तारीफ

अध्यक्ष एड.विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग सहित समर्पित संचालक, कर्मठ कर्मयोगी बने हैं कामयाबी के असली हकदार

अमरावती- पारदर्शी कार्यप्रणाली, कुशल नेतृत्व, कर्मयोगियों के समर्पण के साथ ही ग्राहकों के अपार विश्वास को हासिल करने तथा तरक्की के नये पायदान स्थापित करने वाली अभिनंदन अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक मुख्यालय की इमारत अभिनंदन हाईट्स का काम पूरा होकर इसमें बैंक की नई कैंप शाखा शुरू होकर ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देने लगी है. जिस तरह से भवन का निर्माण किया गया है, हर बात का ध्यान रखा गया है, इतना ही नहीं तो बैंक में आने वाले बुजुर्गों, दिव्यांगों तक का ख्याल रखा गया है, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है. इमारत को आधुनिकतम सुविधाओं से जहां लैस किया गया है, वहीं दूसरी ओर यह मुख्यालय इमारत अन्य बैंकों के लिए प्रेरणा बनने का काम कर रही है. जो भी एक बार देखता है, बिना सराहना किए नहीं रहता है. प्रशस्त पार्किंग व्यवस्था, लॉकर तक कार पहुंचने की व्यवस्था हो अथवा बीच में एक भी पिल्लर नहीं होना भी सभी का ध्यान खींच रहा है.

बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा तथा प्रबंधन बोर्ड के प्रमुख सुदर्शन गांग के साथ ही संचालक मंडल तथा अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत तथा समर्पण ने बैंक को आसमानी बुलंदी पर पहुंचाया है. बैंक व्यवसाय के साथ ही सामाजिक सेवा तथा अन्य पहल में भी सदैव अग्रणी रहती है. बैंक अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के साथ ही समर्पित संचालकों तथा कर्मयोगियों की टीम के कारण लगातार आगे बढ़ रही है. सहकारिता क्षेत्र में भूषण और अभी तक राज्यस्तर के साथ ही कई पुरस्कार प्राप्त कर चुकी अभिनंदन बैंक के आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित बहुमंजिला इमारत का काम तेजी से किया गया. इसमें दो लिफ्ट के साथ ही चौथी मंजिल पर स्थिति ऑडीटोरियम तो सचमुच बेहतरीन निर्माण का नमूना है. सुदर्शन गांगजी को प्रबंधन बोर्ड के आदर्श अध्यक्ष का पुरस्कार मिलने पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा नए मुख्यालय में उनका सत्कार किया गया. इस समय संपादक सुभाष दुबे के अलावा प्राचार्य संजय शिरभाते, समाजसेवी डॉ. अजय बों डे प्रमुखता से उपस्थिति थे. नई इमारत में बैंकिंग सेवा के साथ ही ग्राहकों की सुविधाओं का ख्याल जहां रखा गया है, वहीं दूसरी ओर प्रशस्त पार्किंग सहित अन्य तमाम तरह की व्यवस्था की गई है. अभिनंदन हाईट्स को देखकर कोई भी संतोष जताए बगैर नहीं रहता है. दो स्ट्रांग रूम की निर्मिती की गई है. इसमें गोल्ड लाकर सुविधा के साथ ही छोटे, मध्यम और बड़े लाकर की भी सुविधा ग्राहकों को उपलब्ध कराई गयी है. ग्राहकों की सेवा में बैंक द्वारा चौबीसों घंटे शुरू रहने वाली एटीएम व पासबुक प्रिंटिंग सुविधा भी बैंक क्षेत्र में की गई है.नीचे की मंजिल पर पार्किंग, पहली मंजिल पर बैंक की आधुनिक शाखा, सुविधा युक्त 200 सीटों की क्षमता वाला अभिनंदन ऑडिटोरियम है.जिसमें छोटे-मोटे कार्यक्रम भी होने में मदद मिलेगी.इसके लिए बैंक अध्यक्ष तथा संचालकों का अभिनंदन होना चाहिए.

छात्रों के सर्वांगीण विकास की गारंटी है पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल

शिक्षा के साथ खेल में भी छात्र अव्वल, प्राचार्य मनीषा सेंगर का कुशल नेतृत्व,कई स्पर्धाओं में भी सदैव छात्र कामयाब, बढ़ा रहे विद्यालय का नाम

अमरावती- तेजी से बदल रही दुनिया में शिक्षा के साथ ही छात्रों के सर्वां गीण विकास का बीड़ा कठोरा नाका स्थिति पोद्दार इंटरनेशनल ने उठाया है. यही कारण है कि विद्यालय के छात्र जहां दसवीं , बारहवीं के सीबीएसई परीक्षा में शानदार कामयाबी हासिल कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अन्य कई स्पर्धा परीक्षाओं में भी शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं. पूर्व प्राचार्य सुधीर महाजन के बाद प्राचार्य मनीषा सें गर के कुशल नेतृत्व में विद्यालय की आसमानी कामयाबी की गति तेजी से आगे बढ़ रही है. विद्यालय का माहौल, बच्चों में आदर्श संस्कार, परम्पराओं के साथ ही आधुनिकता का साथ जैसी खूबियों को लेकर यह विद्यालय तेजी से आगे बढ़ रहा है. शिक्षा के साथ ही हमारे नीतिमूल्यों और संस्कारों को भी यहां उतना ही महत्व दिया जाता है. यही कारण है कि न केवल अमरावती बल्कि पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल समूचे विदर्भ और भारत में तेजी से लोकप्रियता के शिखर पर पहुंच रही हैं. संस्था प्रमुख के साथ ही संचालकों के कुशल मार्गदर्शन में प्राचार्य मनीषा सें गर के साथ उपप्राचार्य तथा समर्पित शिक्षक छात्रों के सर्वां गीण विकास में अपना सर्वोच्च योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं.

छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ ही आदर्श संस्कार, भारतीय परिवेश के साथ ही हर क्षेत्र में बेहतरीन बनाने का कार्य पोदार इंटरनेशनल स्कूल के माध्यम से किया जाता है. यही कारण है कि केवल अमरावती नहीं बल्कि विदर्भ तथा राज्यस्तर पर इस विद्यालय ने स्वयं का स्थान बनाया है.

विद्यालय में प्रवेश का मतलब होता है कि छात्रों का सर्वांगीण विकास.संस्था संचालकों के मार्गदर्शन और प्राचार्य मनीषा सेंगर के नेतृत्व में विद्यालय में छात्रों को शिक्षा के साथ बेहतरीन संस्कार और जीवन संवारने का प्रयास किया जाता है. सर्वगुण सम्पन्न छात्र निर्माण का कार्य विद्यालय द्वारा किया जा रहा है. बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ ही आदर्श संस्कार देते हुए आदर्श नागरकि निर्माण में भी विद्यालय द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही हैं. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी संस्था के संस्थापकों में से एक रहने के कारण मानव धर्म के साथ ही राष्ट्र धर्म को अत्याधिक महत्व दिया जाता है. राष्ट्रीय स्तर के खेल, गणित सहित अन्य परीक्षाओं में विद्यालय के छात्रों द्वारा शानदार कामयाबी हासिल करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया जाता है.

शिक्षा क्षेत्र में अभी तक कई दर्जन पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्व प्राचार्य सुधीर महाजन के बाद विद्यालय का नेतृत्व करने वाली मनीषा सेंगर द्वारा भी छात्रों के हित में विभिन्न उपक्रम चलाया जाता है. स्वयं वे माता-पिता की भक्त रहने के साथ ही आदर्श नीति मूल्यों और संस्कारों को महत्व देती हैं. उनका कहना है कि संस्कारवान छात्र ही देश के आदर्श नागरिक बन सकते हैं, उनका प्रयास शिक्षा के साथ ही छात्रों को सर्वां गीण विकास को सुनिश्चित करना है, इस दिशा में सभी शिक्षकों के साथ ही समर्पित कर्मचारियों का साथ मिलने की बात कही. उनके द्वारा समय-समय पर छात्रों के लिए सेमिनार और मार्गदर्शन सत्र भी लिया जाता है.

इस माध्यम से छात्रों को बेहतरीन साथ ही उच्च शिक्षित शिक्षकों द्वारा खेल, पर्यावरण, माता-पिता की सेवा के साथ ही शिक्षा के साथ ही छात्रों के सर्वां गीण का ध्यान दिया जाता है. यही कारण है कि आज यह विद्यालय अमरावती जिले ही नहीं बल्कि विदर्भ की शान बना हुआ है. छात्रों के सर्वां गीण विकास के साथ ही अभिभावकों को बुलाकर उनका भी मार्गदर्शन किया जाता है. संचालकों के साथ ही यहां बच्चों को हर तरह की सुविधाएं दी जाती हैं. स्वास्थ्य को लेकर समय-समय पर सुख्यात डाक्टरों के मार्गदर्शन का सत्र रखा जाता है. इससे विद्यालय में प्रवेश के लिए अभिभावकों की भीड़ उमड़ती है. विद्यालय की बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही यह विदर्भस्तर पर तेजी से लोकप्रिय होने के कारण छात्रों की चाहत यही विद्यालय बनता जा रहा है. बिना पर्यावरण के इन्सान जिंदा नहीं रह सकता है. यही कारण है कि प्रकृति है तो ही इन्सान है. कुल मिलाकर शिक्षा के साथ ही छात्रों के सर्वां गीण विकास का यह विद्यालय केन्द्र बना हुआ है. विद्यालय में उच्च शिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकों के साथ ही छात्रों को हर प्रकार की गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

उच्च विद्याविभूषित तथा वर्षों से विद्यालय में सेवा देने वाली प्राचार्य मनीषा सेंगर के मुताबिक सभी शिक्षकों , कर्मचारियों के समर्पण भाव के कारण ही विद्यालय लगातार कामयाबी की सीढ़ी हासिल करता है. उनके मुताबिक टीम वर्क बेहतरीन रहने के बाद कामयाबी स्वयं ही मिलती है. लेकिन जब पूरी तरह से समर्पित टीम होती है तो उपलब्धियों से परिपूर्णता मिलती है. सभी के साथ ही विकास को गति देता है. वह भाग्यशाली हैं, जिन्हें बेहतरीन विद्यालय, बेहतरीन शिक्षक और कर्मचारी मिले हैं, सभी मिलकर काम करने का नतीजा है.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

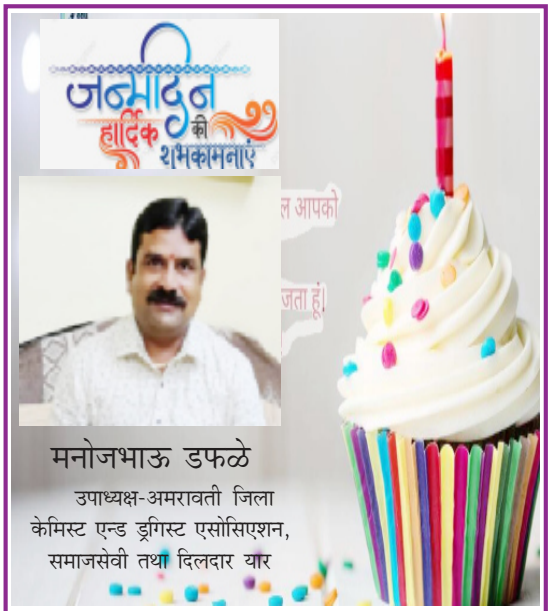

मनोजभाऊ डफळे

उपाध्यक्ष-अमरावती जिला केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, समाजसेवी तथा दिलदार यार

नसीब और ऊंचे हो तुम्हारे,
सबका प्यार यूं ही मिलता रहे तुम्हें,
दुआ है रब से हर सफलता मिले तुम्हें,
जन्मदिन बहुत-बहुत शुभकामनाएं !

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती, श्रद्धा मेडिकल के कर्मचारी, केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट परिवार तथा मनोज डफळे असंख्य मित्र परिवार,अमरावती.

अमरावती दर्पण पत्रकारिता पुरस्कार से संपादक सुभाष दुबे सम्मानित

जीवनसंगिनी वीणा दुबे को नारी शक्ति पुरस्कार

अमरावती- विदर्भ स्वाभिमान के माध्यम से सकारात्मक पत्रकारिता करने के साथ ही पत्रकारिता में 35 वर्षों की कर्मठ,समर्पित सेवा के लिए संपादक सुभाष दुबे को अमरावती दर्पण पत्रकारिता पुरस्कार और महिलाओं के लिए आवाज उठाने तथा सदैव सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाली धर्मपत्नी सौ. वीणा सुभाष दुबे को नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान कर शनिवार को सम्मानित किया गया. डॉ.मनीष गवई और संपादक विजय गायकवाड़ के नेतृत्व में जोशी हॉल में आयोजित समारोह में उद्यमी मनोज बख्तार, रघुवीर के प्रमुख दिलीपभाई पोपट, मंगेश ठाकरे सहित अन्य मान्यवरों की मौजूदगी में दुबे दम्पति को एक साथ यह पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया. उन्होंने संपादक विजय गायकवाड़ तथा आयोजन समिति के प्रति कृतज्ञता जताई तथा सेवा कार्य इसी तरह जारी रखने का संकल्प जताया. इस उपलब्धि पर उनका अभिनंदन पें ढारी मित्र मंडल,श्री केशरीनंदन संस्था,हनुमान युवक मंडल, नर्मदेश्वर महादेव, जय भोले भक्त मंडल ने अभिनंदन किया है.दोनों ने सदैव सेवाभाव को कायम रखते हुए काम करने का विश्वास दिलाया.

सादगी,सरल व्यक्तित्व,मानवसेवी हैं मनोज डफळे

हैप्पी बर्थडे पर विशेष, जिला केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट संगठन के उपाध्यक्ष के रूप में सेवाकाम में अग्रणी

अमरावती- मेडिकल व्यवसायी के साथ ही सामाजिक, धार्मिक और सेवाभावी कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले व्यक्ति के रूप में अमरावती जिला केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट संगठन के उपाध्यक्ष मनोज डफळे जितने बेहतरीन व्यवसायी हैं, उससे भी बेहतरीन यार, समझदार,सादगी के साथ ही संवेदनशील व्यक्ति हैं. सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.व्यवसाय में कामयाबी के साथ ही आदर्श पति, पुत्र के साथ ही सभी रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति हैं. उनके मुताबिक राष्ट्रधर्म और मानव धर्म पर जिस दिन हर इंसान चलेगा, दुनिया स्वर्ग बन जाएगी. बोलने में कम करने में वे अधिक विश्वास रखते हैं. साथ ही देश की चहुंतरफा प्रगति के लिए उनकी सराहना करते हैं.

श्रद्धा मेडिकल के साथ ही अन्य एक मेडिकल का कुशल संचालन करने के साथ मानवता की सेवा मैं सदैव योगदान देते हैं.ज़ीवन में कुछ लोगों का स्वभाव फूल जैसा होता है. वे पेड़ पर रहें तो भी सुगंध देते हैं और भगवान के चरणों में रहें तो भी आनंद देते हैं. ऐसे ही खुशमिजाज व्यक्तित्व के रूप में मित्र मनोज भाऊ डफळे हैं. चेहरे पर मुस्कराहट, सदैव सकारात्मक सोच के साथ ही यथासंभव मदद करने की भावना के कारण ही केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट संगठन के साथ ही हजारों मित्र परिवार उन्हों ने तैयार किया है.उनके कुशल संचालन में श्रद्धा मेडिकल्स आज मरीजों का विश्वास जीतने में जहां सफल हुई है, वहीं ग्राहकों की भीड़ सदैव लगी रहती है. इसके संचालक मनोज डफळे स्वभाव से इस तरह बेहतरीन व्यक्ति हैं कि उनसे पहली ही मुलाकात करने वाला व्यक्ति उन्हें सदैव याद रखता है. वहीं दूसरी ओर कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह से गरीबों की सेवा की, उसकी सराहना सभी करते हैं.उनके मुताबिक सेवा केवल पैसे से ही नहीं होती है बल्कि किसी जरूरतमंद को रक्तदान करना,मरणोत्तर नेत्रदान,अवयव दान भी सेवा हैं. स्वयं के साथ ही मित्रों को भी सदैव सामाजिक कामों में प्रेरणा देने का काम करते हैं. मनोजभाऊ के मुताबिक सकारात्मक सोच न केवल स्वयं के लिए बेहतरीन रही है बल्कि साथ में रहने वालों को भी प्रेरणा देती है. जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमारा भी सदैव अच्छा होता है. जिस तरह पानी अपने लिए कहीं भी जगह बना लेता है, उसी तरह नेक लोगों को तकलीफ हो सकती है लेकिन उनका हौसला सदैव मजबूत रहता है. व्यवसाय के साथ ही परिवार में आदर्श पति और पिता के रूप में वे अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं. मित्रों के चहेते मनोजभाऊ की सादगी और आत्मीयता किसी को भी प्रभावित करती है. जीवन में माता-पिता के आशिर्वाद, जीवन संगिनी के साथ के साथ ही प्यारी बेटी को अपनी ताकत मानते हैं. वे कहते हैं कि जब हम अच्छा करते हैं तो हमारे साथ कभी बुरा नहीं हो सकता है.

स्वयं के माध्यम से अच्छा करने की सोच रखने वाले ही जीवन में कामयाबी हासिल करते हैं. इसलिए प्रभु पर विश्वास रखते हुए सदैव नेकी के काम करते रहें. इससे निश्चित ही जीवन में चमत्कारिक खुशी और सम्पन्नता मिलेगी.पिछले 18 साल से अधिक समय से उन्हें जानने-पहचानने का मौका मिला. परिपूर्ण मानवसेवी व्यक्ति के रूप में मनोजभाऊ को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.वे स्वस्थ रहें,मस्त रहें,हर मनोकामना पूरी हो, यही प्रभु चरणों में कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

अस्त-व्यस्त यातायात बनेगा जानलेवा

अमरावती- शहर का तेजी से विकास हो रहा है. तेजी से आबादी बढ़ने के साथ वाहनों की संख्या बढ़ रही है. लेकिन मनपा तथा पुलिस विभाग में समन्वय के अभाव के चलते तथा पार्किंग के अभाव में लोग त्रस्त हैं. अस्त-व्यस्त यातायात और कानून का लोगों से खत्म होता डर अपराधियों को बढ़ावा दे रहा है.

शहर के इर्विन चौक, राजकमल, गांधी चौक के साथ ही अन्य चौराहों पर जिस तरह से अस्तव्यस्त यातायात है, राजकमल पर यातायात पुलिस के आंखों के सामने लाल सिग्नल तोड़ने वालों की हिम्मत देखकर पुलिस का सचमुच दवाब किस तरह खत्म हो गया है, इसका सहज अनुभव आता है. पुलिस आयुक्त तथा मनपा आयुक्त से मामले को गंभीरता से लेते हुए इस दिशा में समुचित कदम उठाने तथा समस्या का निराकरण करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की जा रही है. वर्ना किसी दिन शहर में बड़ा हादसा हो जाएगा.

यारों के यार, दिल के सच्चे, मन के अच्छे हमारे अजीज मित्र तथा साप्ताहिक अमरावती हलचल अखबार तथा अमरावती हलचल चैनल के संपादक, सामाजिक सद्भाव के लिए सदैव प्रयासरत रहने वाले

मुख्तार अहमद

को जन्मदिन 20 जून पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती, आनंद परिवार, मुख्तार अहमद मित्र परिवार, बडनेरा तथा असंख्य मित्र परिवार,अमरावती.

ग्राहकों की सेवा हमारा परमो धर्म, सदैव करने का प्रयास-रणजीत ठाकरे

बैंक का हर कर्मचारी,अधिकारी रहता है समर्पित,ग्राहकों को सेवा में अग्रणी,सभी जताते हैं संतोष

विदर्भ स्वाभिमान, 18 जून

अमरावती- 110 साल से अधिक का ग्राहक सेवा का इतिहास रचने वाली बैंक ऑफ इंडिया की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. बैंक की देवरणकर नगर शाखा ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देने के लिए जहां जानी जाती है, वहीं दूसरी ओर बैंक के सुरक्षा गार्ड से लेकर बैंक के हर अधिकारी और कर्मचारी ग्राहकों की सेवा तथा मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. ग्राहकों की सेवा ही हमारा सर्वोच्च धर्म और कर्म रहने की बात वरिष्ठ प्रबंधक रणजीत ठाकरे ने कही. उनके मुताबिक टीम बेहतरीन रहने के कारण ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देने का प्रयास किया जाता है. ग्राहकों की हर समस्या का समाधान करने के लिए वे जहां तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर बैंक में ग्राहकों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. बैंक की कामयाबी का श्रेय रणजीत ठाकरे ग्राहकों को देते हैं. उनके मुताबिक तत्पर तथा विश्वसनीय सेवा के साथ ही ग्राहकों की समस्याओं का निराकरण मौके पर ही करने का प्रयास वे सदैव करते हैं. ग्राहकों के अपार विश्वास के लिए उन्हों ने कृतज्ञता जताते हुए कहा कि ग्राहक उनके लिए सर्वो च्च रहता है. ऐसे में वे उनकी सेवा में अपनी ओर से कहीं भी कमी करने की बात नहीं चाहते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत के दौरान रणजीत ठाकरे ने कहा कि उन्होंने जब से जिम्मेदारी संभाली है, अपनी ओर से बेहतरीन सेवा देने का प्रयास किया है. सभी सहयोगियों को बैंक की लोकप्रियता का श्रेय देते हुए वे कहते हैं कि अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है लेकिन जब टीम बेहतरीन काम करती है तो असंभव भी संभव हो जाता है. बैंक ऑफ इंडिया देवरणकरनगर शाखा बडनेरा रोड के वरिष्ठ प्रबंधक रणजीत अरविंद ठाकरे अनुशासन पसंद तथा काम में समर्पित व्यक्ति हैं. उनके मुताबिक सभी के सहयोग से ही प्रगति होती है. इस पर उन्हें भरोसा है.

जीवन में माता-पिता के आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को महत्वपूर्ण बताते हुए वे कहते हैं कि मानव धर्म सबसे बड़ा धर्म है.इंसान को इंसान के साथ इंसानियत से पेश आना चाहिए, कई समस्याओं का वैसे ही निपटारा हो जाता है. लेकिन आज इंसान बढ़ रहे हैं लेकिन इंसानियत घटने कीबात भी वे स्वीकार करते हैं. सभी से मानव प्रेम बढ़ाने का आग्रह किया.

दिल का सच्चा, अच्छा यार हैं मुख्तार अहमद

जीवन में आज कभी जाति,कभी धर्म तो कभी भाषा को लेकर जारी घटिया राजनीति के बीच भी कुछ लोग समाज के लिए मिसाल होते हैं, ऐसे लोगों में शामिल हैं हमारे मित्र मुख्तार अहमद. अमरावती हलचल समाचार पत्र तथा चैनल के संचालक,संपादक मुख्तारभाई का सीताराम के साथ सभी धर्मों के मुताबिक किया जाने वाला अभिवादन ही उनकी उम्दा सोच दर्शाता है. उनका 20 को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.पत्रकारिता को जहां वे गौरवान्वित करने का काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अपने मधुर और सरल स्वभाव के कारण हजारों मित्र परिवार तैयारकिए हैं. मुख्तार भाई का मानना रहता है कि हर मजहब की मंजिल एक है. ऐसे में बुद्धिमान इन्सान जब स्वयं को जाति,धर्म, मजहब के नाम पर स्वयं को ही बांटने का प्रयास करता है तो उन्हें दुख होता है. वैसे भी मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना.आदर्श पिता,पति के साथ ही हर मामले में वे बेहतरीन व्यक्ति हैं. उनकी बेटी और बेटा भी उच्च शिक्षित हो गए हैं.जुनी बस्ती बडनेरा में 20 जून को मुख्तार अहमद का जन्म हुआ. बचपन से ही मेहनती और उम्दा सोच वाले रहने के कारण कठिनाईयां आई लेकिन उनका उन्हों ने जी-जान से मुकाबला करते हुए आज अपना शहर में स्वयं का सम्मानजनक स्थान तैयार किया है. पत्रकारिता को व्यवसाय के रूप में चुना लेकिन इसे सेवाभाव के साथ जोड़ते हुए व्यवसाय के साथ ही समाज को सदैव अच्छा दिखाने और अच्छी सोच को ही बढ़ावा देने का काम किया है. यही कारण है कि भीड़ में भी उन्हें चेहरा के रूप में माना जाता है. मुझसे उनका पिछले दस साल के दौरान करीबी परिचय है. उनके सर्वधर्म समभाव वाले रवैये का पता उस दिन चला, जब वे पहली बार घर पर आने के बाद फाटक के बाहर ही जोर से सीताराम के रूप में नमस्कार की आवाज लगाई. इसके बाद से दोस्ती मजबूत होती गई. कई बार मैं और मेरा दोस्त संदीप हम जब उनसे बातचीत करते हैं तो कभी घंटे कैसे हो जाते हैं, इसका पता नहीं चलता है. मुख्तार अहमद की सादगी के साथ ही उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है. उनका मानना है कि जिस तरह आम या टमाटर की टोकरी में कुछ टमाटर भी अगर खराब निकल जाते हैं तो उसका बाकी पर असर पड़ता ही है. वैसे ही इन्सानी जीवन में भी सभी को एक तराजू में नहीं तौला जा सकता है. यारों के दिलदार यार मुख्तार अहमद जहां युवा समाजसेवी हैं, पत्रकार हैं, वहीं उनका पूरा परिवार भी उच्च शिक्षित है. हर व्यक्ति के जीवन में वे माता-पिता के अनन्य महत्व को मानते हैं. उनका स्पष्ट मानना है कि हम भले तो जग भला. हमें किसी की कमियों को दिखाने की बजाय उसकी अच्छाईयां भी देखने का प्रयास करना चाहिए.पत्रकारिता के माध्यम से सर्वधर्म समभाव को किस तरह बढ़ावा देते हैं कि वे कार्यक्रम के आरंभ से पूर्व ही हरधर्म के मुताबिक अभिवादन करना नहीं भूलते हैं.धीर-गंभीर चेहरे वाले मुख्तार अहमद के करीबी संबंधों नेताओं के साथ ही वरिष्ठाधिकारियों से भी हैं. लेकिन इसका गर्व वे कभी नहीं करते हैं. हां अपने संबंधों का किसी को अगर नेक काम में योगदान दिया जा सकता है तो इसका प्रयास करते हैं. जनता के कामों के लिए हर पार्टी के नेताओं से उनके करीबी संबंध हैं. यही कारण है कि विकास का काम हो, धार्मिक आयोजन में सहयोग हो अथवा किसी जरूरतमंद की मदद की बात हो, वे सदैव आगे रहते हैं. उनके 20 मई को जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी. यह उनकी लोकप्रियता का ही परिचायक कहना चाहिए. युवा समाजसेवी के रूप में क्षेत्र तथा शहर में भी नेक और अच्छे कामों में योगदान देने का प्रयास करते हैं. निश्चल मित्र के रूप में जहां हजारों मित्र उन्हों ने बनाए हैं, वहीं जीवन में पत्नी अंसारी बेगम गृहिणी हैं. पुत्री आशफिया अनम एमएससी की उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है. बेटा दानिश अहमद, बेटी जुबिया अनम शिक्षारत है.मुख्तार भाई स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मुरादें पूरी हों, ऊपरवाले से यही दुआ करते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

गुरूवार 12 से 18 जून 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

बहुगुणी,गुणों की खान हैं श्रीराम

क्रांती कॉलोनी में श्रीराम कथा में पं.श्यामदास महाराज ने कहा

अमरावती- मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम गुणों की खान हैं. उनके दो फीसदी गुण भी अगर इंसान जीवन में अपना ले तो उसका पूरा जीवन ही धन्य हो जाए. इस आशय का प्रतिपादन श्रीराम कथा मर्मज्ञ पंडित श्यामदास महाराज ने किया. वे क्रांति कालोनी के संतश्री गजानन महाराज मंदिर में जारी श्रीराम कथा तथा श्रीराम लीला मंचन में मार्गदर्शन कर रहे थे. दस दिवसीय कथा का बुधवार की शाम को समापन हुआ. इसके बाद प्रयागराज श्रीराम मंडल यवतमाल के लिए रवाना होगा. कथा के साथ ही सामाजिक बुराईयों के साथ मानव धर्म तथा राष्ट्रधर्म पर जहां वे मार्गदर्शन करते हैं, वहीं बच्चों को बचपन से आदर्श संस्कार देने की जरूरत जताते हैं. उनके मुताबिक बचपन के आदर्श संस्कार हमें कभी गलत दिशा में नहीं जाने देते हैं. यही कारण है कि बचपन में मिले संस्कारों का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है.

भाई के आदर्श नायक और उदाहरण प्रभु श्रीराम तथा भरत हैं. आज तक भाईयों के बीच इस तरह का प्रेम नहीं देखा गया. आज जहां धन-सम्पत्ति के लिए भाई-भाई का दुश्मन हो रहा है, वहीं भरत जैसा त्यागी भाई मिलना भी दुर्लभ बात है,

जिन्होंने भाई के प्रेम में सिंहासन तक ठुकरा दिया है. बालक उस कच्ची मिट्?टी की तरह होता है कि उसे कोई भी आकार दिया जा सकता है. ठीक इसी तरह प्रभु श्रीराम की कथा, उनका चरित्र, परिवार में भाईयों के प्रति प्रेम, माताओं का स्थान, पत्नी का महत्व, पति कैसा होना चाहिए, भाई का फर्ज सहित सभी रिश्तों में आदर्श स्थापित किया है. श्रीराम कथा के दौरान प्रभु के जन्म के साथ ही विभिन्न प्रसंगों को पं.श्यामदास महाराज ने प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया. कथा को सुनने के लिए बच्चों के लेकर युवाओं, महिलाआं की भीड़ रही. क्रांति कॉलोनी के संतश्री गजानन महाराज मंदिर के सभागृह में शुरू श्रीराम कथा और रामलीला के कार्यक्रम में पहले दिन से ही भक्तों की भीड़ लगी. महिलाओं की संख्या इसमें अधिक है. कथा आयोजन के लिए जगह देने के लिए संतश्री गजानन महाराज मंदिर क्रांति कॉलोनी के सभी ट्रस्टियों की सराहना की जा रही है.कथा के साथ नाटक मंचन में सभी कलाकारों द्वारा भी जिस तरह सेशानदार अभिनय किया जा रहा है, उसकी सराहना की जा रही है. बुधवार को कथा के आखिरी दिन बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे थे.बुधवार को विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय में उनका सत्संग और सत्कार कार्यक्रम रखा गया था. इस मौके पर शिव महापुराण समिति के नरेश इसासरे, डॉ.अजय बोंडे, संपादक सुभाष दुबे, कलाकार महेन्द्र दुबे, वंशिका, श्वेता और वीणा दुबे सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

संवेदनशील आदर्श अधिकारी हैं सहायक आयुक्त भूषण पुसतकर

सदैव सहयोग और मदद के लिए तत्परता ने बनाया है लोकप्रिय

विदर्भ स्वाभिमान, 18 जून

अमरावती- अमरावती महानगर पालिका भले ही सदैव विवादों में रहती है. लेकिन इसके कुछ अधिकारियों की लोकप्रियता तथा कर्मठता की सदैव सराहना होती है. ऐसे ही अधिकारियों में हैं जनता से सदैव जुड़े रहने वाले तथा हरसंभव समाधान का प्रयास करने वाले सहायक आयुक्त और सभी के चहेते भूषण पुसतकर. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले भूषण पुसतकर जहां स्वभाव से शालीन है और अनुशासन प्रिय अधिकारी हैं वहीं कई बार गरीबों, मजबूरों की मदद के लिए अपनी ओर सदैव तत्पर रहते हैं. यही कारण है कि वे जहां पार्षदों में सबसे लोकप्रिय अधिकारी हैं, वहीं हर मनपा आयुक्त के साथ और मार्गदर्शन का लाभ उन्हें मिलता है. वे कहते हैं कि लोगों की सेवा के लिए ही उन्हें यह मौका मिला है, ऐसे में जितना संभव हो सके लोगों का संतोष करना और उनके काम करने का प्रयास वे तथा सहयोगियों के माध्यम से करते हैं.

मिलनसार स्वभाव के धनी भूषण पुसतकर का पत्रकारों से भी बेहतरीन

संबंध रहता है. कई बार तो फोन पर भी नियमों के मुताबिक कोई काम करने में वे कभी ना नहीं करते हैं. यही कारण है कि सभी में उनकी अपार लोकप्रियता है. संवेदनशील अधिकारी के रूप में उन्हों ने जहां अपनी प्रतिमा बनाई है, वहीं हर मनपा आयुक्त के साथ बेहतरीन काम करने का प्रयास करते हैं. उनके मुताबिक हर व्यक्ति का समाधान करना तो कठिन होता है लेकिन नियमों के दायरे में रहते हुए जितना अच्छा किया जा सकता है, उतना अच्छा करने का प्रयास वे सदैव करते हैं. उनकी कर्मठता को नमन करने के साथ ही इसी तरह जनसेवा करते रहें, विदर्भ स्वाभिमान की यही कामना.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

तृप्ती तुमच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती

श्री बालाजी

कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९